E-mail: director@cbseacademic.in
Website: www.cbseacademic.in

Tel: 011-23212093
23211576
Tele Fax: 011-23234324

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

शिक्षा सदन, 17, इन्सटिट्यूशनल क्षेत्र, राउज एवेन्यु, दिल्ली–110002.

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organization under the Union Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
"Shiksha Sadan", 17, Institutional Area, Rouse Avenue, Delhi-110002

समन्वय/ई.सी14.1.2013/2014 **दिनांक: 1 मई, 2014**

के.मा.शि.बो. से संबद्धता प्राप्त
सभी संस्थानों के प्रमुख

विषय: नौवीं कक्षा (सत्र् 2013-2014) में योगात्मक आंकलन के लिए निर्धारित आवश्यक अंकों के प्रतिशत के संदर्भ में

महोदय/महोदया

यह के.मा.शि.बो द्वारा 8 अगस्त 2013 को जारी किये गये परिपत्र के संदर्भ में है, जिसमें कक्षा IX में शैक्षणिक सत्र 2013-14 से निम्नलिखित को पालन करने का अनुदेश दिया गया था:

1. कक्षा IX एवं X में बैठ रहे सभी विद्यार्थियों को दोनों योगात्मक परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
2. बीमारी के आधार पर योगात्मक परीक्षा में अनुपस्थित होने पर विद्यार्थियों को कक्षा IX की योगात्मक आंकलन I में बैठने का एक और अवसर 31 अक्टूबर तक प्रदान किया जा सकता है। योगात्मक आंकलन II में विद्यार्थी को प्रदर्शन सुधार का एक अवसर परिणाम घोषित होने के एक माह के अंदर प्रदान किया जाएगा, जैसा कि परिपत्र संख्या 11 (A) डायरी नं: CE/CBSE/ACAD/CCE/2014/ APRIL, 03 2010 में दिया गया है।
3. वर्तमान प्रथा के अनुसार योगात्मक आंकलनों (योगात्मक आंकलन I एवं योगात्मक आंकलन II दोनों) में विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 25 प्रतिशत अंक लाने होंगे अर्थात् 60 अंको में से कम से कम 15 अंक एवं पाँचों शैक्षिक विषयों में प्रत्येक में कुल 33 प्रतिशत लेना अनिवार्य है।

बोर्ड के संज्ञान में लाया गया है कि इस नियम के कार्यान्वयन का प्रथम वर्ष होने के कारण विद्यार्थी एवं उनके माता-पिता इस नियम से परिचित नहीं थे। अत: बहुत से विद्यार्थी विद्यालयों द्वारा अप्रैल माह में करायी गई सुधार परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। अत: बोर्ड को प्राप्त निवेदनों के आधार पर विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए यह निश्चित किया गया है कि कक्षा IX (सत्र् 2013-14) के विद्यार्थियों को निष्पादन सुधार का एक और मौका दिया जाना चाहिए।

विद्यालयों से निवेदन है कि जो विद्यार्थी योगात्मक आंकलनों में निष्पादन सुधार के अवसर के उपरांत भी 25 प्रतिशत लाने में विफल हैं, अर्थात् 60 में से 15 अंक, तक मूल्यांकन में प्राप्त किए हैं, उन सभी विद्यार्थियों को एक विशेष मामले के रूप में एक और मौका दिया जाना चाहिए और इस वर्ष जुलाई में निष्पादन सुधार परीक्षा का आयोजन किया जाए।

आप सभी से निवेदन है कि इस जानकारी से सभी संबंधित व्यक्तियों को अवगत कराया जाए।

आपका शुभ चिंतक

के. के. चौधरी
परीक्षा नियंत्रक